।। अर्हम् ।।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)

दूरभाष : 01565–224600,224900

ई–मेल : jstsdgh01565@gmail.com

शिक्षाविदो, राजनीतिज्ञों को आचार्य महाप्रज्ञ का संबोध
चारित्र बल के अभाव में देश का विकास नहीं हो सकता

श्रीडूँगरगढ़ 1 फरवरी : राष्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ ने देश के विकास की चर्चा करने वाले शिक्षाविद, राजनेताओं को परोक्ष संदेश देते हुए कहा कि चरित्र बल को नजर अन्दाज कर हम देश का स्थाई विकास नहीं कर सकते। उन्होनें कहा कि आज सबसे बड़ी समस्या है कि चरित्र का कोई मूल्य नहीं आंका जा रहा है। जिस समाज, देश में इसको इग्नोर किया जाता है वह कुछ ही दिनों में नष्ट हो जाता है। ऋर्षि महर्षियों की भूमि पर अनैतिकता की बाढ़ आ रही है इससे बड़ी विचित्र बात क्या होगी। चरित्र के बिना सब कुछ होने पर भी सब समाप्त हो जायेगा और लोग एक दूसरे को खाने लग जायेंगे।

आचार्य महाप्रज्ञ ने मानव संसाधन मंत्री कपिल सिब्बल द्वारा शिक्षा को पारदर्शी बनाने के चिंतन से भी आगे की बात करते हुए कहा कि शिक्षा में जीवन विज्ञान का समावेश होने पर नये मानव का जन्म होगा। जीवन विज्ञान नैतिकता जागरण एवं चरित्र निर्माण की शिक्षा है। चरित्र बल को बढ़ाने वाला व्यक्ति ही नये समाज का निर्माण कर सकता है और देश को विकास की राह पर ले जा सकता है। उन्होनें कहा कि जीवन विज्ञान के शिक्षा के साथ जुड़ने पर विद्यार्थीयों में मानवीय एकता, करुणा, मैत्री, अहिंसा के प्रति निष्ठा पैदा होगी, और ऐसे व्यक्तित्वों का निर्माण होगा जो एकात्मक भाव के साथ दूसरों का हित साधने वाले होगे। आचार्य महाप्रज्ञ ने दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.बी.आर प्रजापति की मानव निर्माण की भावना की सराहना की।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि बुद्धि के साथ शुद्धि का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। उन्होनें कहा कि केवल लोकिक विद्या अहंकार को बढ़ा सकती है। लोकिक विद्या के साथ आध्यात्म विद्या का अभ्यास कराने पर अहंकार के भाव को नष्ट किया जा सकता है।

अणुव्रत समिति सूरत के अध्यक्ष बाबूभाई पटेल, सबरी छात्रालय के संचालक नितिन भाई सोनावाला, अखिल भारतीय विकलांग समिति के अध्यक्ष कनुभाई टेलर, वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रजापति जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय की कुलपति समणी डॉ. मंगलप्रज्ञा, सूफी सेय्यद शफी वासन साहब आदि ने अपने विचार रखे।

कार्यक्रम का संचालन मुनि मोहजीत कुमार ने किया।

अब दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय में पढ़ाया जायेगा जीवन विज्ञान
कुलपति प्रजापति ने जै.वि.भा.विश्विद्यालय से जुड़ने का संकल्प जताया

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात युनीवर्सिटी के कुलपति बी.आर प्रजापति ने विश्वविद्यालय से जुड़ी 36 बी.एड. कॉलेजो में जीवन विज्ञान पाठयक्रम शुरु करने की घोषणा की। वे देर रात राष्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ के दर्शन कर आर्शीवाद लेने पहुंचे एवं जैन विश्व भारती विश्विद्यालय के साथ मिलकर जीवन विज्ञान को दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय से जुड़ी 204 कॉलेजो में पढ़ाने की इच्छा जाहिर की। प्रो. प्रजापति ने जीवन विज्ञान को मूल्यों की

क्रमश : 2

शिक्षा बताते हुए कहा कि विद्यार्थीयों के निर्माण हेतु आज की शिक्षा पूर्ण रुप से सक्षम नहीं है। विद्यार्थीयों को मूल्यों की शिक्षा भी देना जरुरी है। गुजरात के कॉलेजो मे इसकी शुरुआत एक महत्वपूर्ण कदम होगा। इस कदम से राष्ट्र के सामने एक संदेश जायेगा, जिससे युवा वर्ग नैतिकता एवं मूल्यों के प्रति आकर्षित होंगा। उन्होनें कहा कि विश्वविद्यालय से जुड़ी बी.एड.कॉलेजो में जीवन विज्ञान पढ़ाने के बाद सभी महाविद्यालयों में भी लागू की जायेगी। प्रो. प्रजापति एवं सूरत शहर से जैन–अजैन लोगों के 9 सदस्य दल ने प्रेक्षाध्यान, जीवन विज्ञान, अणुव्रत आदि अवध ानों को जन–जन तक पहुंचाने के कार्यक्रमों की अवगति देने के साथ ही आचार्य महाप्रज्ञ, युवाचार्य महाश्रमण, जै. वि.भा. विश्वविद्यालय की कुलपति समणी डॉ. मंगलप्रज्ञा से अनेक मुद्दों पर विचार विमर्श एवं मानव कल्याण की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की।

आचार्य महाप्रज्ञ के आशीर्वाद ने 300 विकलांगों की दशा बदली – कन्नू भाई टेलर

गुजरात के सूरत शहर में विकलांग स्कूल का संचालन करने वाले कनुभाई टेलर ने प्रज्ञासमवसरण में आयोजित कार्यक्रम में अहिंसा यात्रा के दौरान आचार्य महाप्रज्ञ के सूरत पदार्पण के क्षणों को याद करते हुए कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ जी के आशीर्वाद ने 3 सौ विकलांगों की दशा ही बदल दी है। जब आचार्य श्री सूरत पधारें थे तब यह विकलांग विचित्र स्थिति में थे। आचार्य प्रवर ने स्कूल में पधारकर उनको आशीर्वाद दिया और आज इनमें से 2 विद्यार्थी लंदन में एम.बी.ए कर रहे हैं। 7 डॉ. बनने की तैयारी मे है। 16 इंजिनीयर की पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होनें रिलाईंस कम्पनी के द्वारा दी गई आर्थिक सहयोग की घोषणा की चर्चा करते हुए कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ करुणावान है। वे मानव मात्र के आचार्य है, भगवान है। ऐसे गुरु का आशीर्वाद मिलने पर ही आज विकलांगों को सबका अपूर्व सहयोग मिल रहा है। ज्ञातव्य है कि कन्नू भाई स्वयं विकलांग होने पर भी 400 से भी ज्यादा विकलांगों को उच्च स्तरीय शिक्षा देने का संकल्प धारण किया है। उन्होनें सूरत तेरापंथ समाज एवं बाबूभाई, नितिन भाई, अंकेश भाई डोसी, विनोद बांठिया, लक्ष्मीलाल बाफना आदि अनेको लोगों की टीम द्वारा मिल रहे सहयोग का जिक्र करते हुए कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ के अवधानों को जन–जन तक पहुंचाना चाहिए।

आचार्य महाप्रज्ञ 4 को पधारेंगे ऊपरले तेरापंथ भवन में

आचार्य महाप्रज्ञ, युवाचार्य महाश्रमण संपूर्ण मुनिगण के साथ 4 फरवरी को दोपहर 12.05 बजे ऊपरले तेरापंथ भवन के लिए विहार करेंगे। उक्त घोषणा करते हुए युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि महाप्रज्ञ जन कल्याण केन्द्र के तेरापंथ भवन में प्रवासीत साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा सहित साध्वियां इस तेरापंथ भवन में प्रवास करेंगी। आचार्य महाप्रज्ञ आगामी प्रवास ऊपरले तेरापंथ भवन में करेंगे।

अंकित सेठिया
मीडिया सहसंयोजक